Hindi Murli Quiz 19-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **वाक्यों के अर्थ अनुसार ही उनको मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	रूहानी बाप आये है रूहानी दुनिया से,	जिसको निर्वाणधाम भी कहते है ।
B	भगवान् है शान्ति का सागर,	रहते भी हैं शान्तिधाम में जहाँ हम भी रहते हैं ।
C	यह है पतित दुनिया,	पाप आत्माओं की तमोप्रधान दुनिया ।
D	हम आत्माएं इस समय तमोप्रधान हैं,	84 का चक्र खाकर सतोप्रधान से अब तमोप्रधान में आये है ।
E	दुनिया बदलने के समय ही महाभारत लड़ाई लगती,	तब ही बाप आकर राजयोग सिखलाते ।
F	मनुष्यों से मुख्य दो भूलें हुई है-	एक कल्प की आयु भूले दूसरा गीता के भगवान को भी भूल गए ।

Q.2) **देह-अभिमान बहुत बड़ा पाप है । इससे बहुत सावधान रहना चाहिये । आज की मुरली के अनुसार देह अभिमान से होने वाले नुकसानों को चयन करें -----**

A. ☑ बाप की याद के बजाए देहधारी की याद आयेगी ।
B. ☑ कुदृष्टि जाती रहेगी ।
C. ☑ खराब ख्यालात आयेंगे ।
D. ☑ माया के वार शुरू हो जायेंगे ।

Q.3) **आज के वरदान और स्लोगन पर आधारित यह मैचिंग एक्सरसाइज ध्यान से करें ---**

	Choice	Match
A	विश्व कल्याणी की स्मृति में रहना अर्थात,	मै आत्मा विश्व कल्याण की सेवा के लिए अवतरित हुई हूँ ।
B	विश्व कल्याणकारी की स्मृति से जो भी संकल्प करेगे,	बोल बोलेंगे उसमें विश्व कल्याण समाया हुआ होगा ।
C	आपकी विश्व कल्याण की स्मृति,	चैतन्य लाइट हाउस का कार्य करेगी ।
D	चैतन्य लाइट हाउस अर्थात,	सर्व शक्तियों की लाइट आत्माओं को रास्ता दिखाने का कार्य करती रहेगी ।
E	स्नेह और सहयोग के साथ शक्ति रूप बनो,	तो राजधानी मे नम्बर आगे मिल जायेगा ।

Q.4) **बच्चों को अन्तर्मुख हो बुद्धि चलानी चाहिए । अपने आपको सुधारने के लिए अन्तर्मुख हो अपनी जांच करो । अगर मुख से कोई कुवचन निकले या कुदृष्टि जाए तो अपने को फटकारना चाहिए--हमारे मुख से कुवचन क्यों निकले, हमारी कुदृष्टि क्यो गई? अपने को चमाट भी मारनी चाहिए, घड़ी-घड़ी सावधान करना चाहिए तब ही ऊंच पद पा सकेगे ।**

A. ○ False
B. ◉ True

Q.5) **गीता के भगवान् को ही भूल गए । कृष्ण को तो गॉड-फादर कह नही सकते । आत्मा कहती है गॉड फादर तो वह निराकार हो गया, निराकार बाप आत्माओं को कहते हैं कि मुझे याद करो । मै ही पतित-पावन हूँ, मुझे बुलाते भी हैं -- हे पतित-पावन । कृष्ण तो देहधारी है ना । मुझे तो कोई शरीर है नही । मैं निराकार हूँ, मनुष्यो का बाप नही,आत्माओ का बाप हूँ ।**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.6) **आज धारणा के लिए दिये गए सभी पॉइंट्स चयन करें -------**

A. ☑ कभी भी ऐसी हसी-मजाक नहीं करनी है जिसमे विकारों की वायु हो ।
B. ☑ सबसे प्यार से चलना है ।
C. ☑ आत्म- अभिमानी बनने की बहुत-बहुत प्रैक्टिस करनी है ।
D. ☑ कुदृष्टि नही रखनी है । कुदृष्टि जाए तो अपने आपको आपेही सजा देनी है ।
E. ☑ अपने को बहुत सावधान रखना है, मुख से कटुवचन नहीं निकालने है ।

Q.7) **बाप तुम्हें दैवी धर्म और श्रेष्ठ --------सिखलाते हैं इसलिए तुमसे कोई भी आसुरी ---------नहीं होने चाहिए, बुद्धि बहुत शुद्ध चाहिए ।'**
(सभी उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकते हैं परन्तु आज की मुरली के अनुसार एक ही सही विकल्प का चयन करें)

A. कर्म
B. ज्ञान
C. व्यवहार
D. चलन
E. आचरण

Q.8) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	तुम्हारे मुख से सदैव शुद्ध वचन निकलने चाहिए,	कुवचन नही, हँसी मजाक आदि भी नही ।
B	कर्मेन्द्रियों की चलायमानी,	सिवाए योग के कभी निकलती नही है ।
C	योगबल जमा करने में बड़ी मेहनत है,	राज्य लेना कोई मासी का घर नहीं है ।
D	तुमको रूहानी बाप की याद में रह औरो को रास्ता बताना है,	अन्धी की लाठी बनना है ।
E	सतयुग में रावण न होने के कारण दुःख नहीं होता है,	बाकी पुरुषार्थ अनुसार सम्पत्ति मे तो फर्क होता है ।
F	ब्रह्मा से तुमको कुछ भी मिलना नहीं है,	वह तो दादा है, बाबा भी नहीं । बाबा से तो वर्सा मिलता है ।

Q.9) **अभी 84 जन्म पूरे हुए है, बाप आया है । बाबा को बहुत याद करना है । सारा कल्प जिस्मानी बाप को याद किया । अभी बाप आये हैं मनुष्य सृष्टि से सब आत्माओ को वापिस ले जाने, क्योंकि रावण राज्य में मनुष्यो की दुर्गति हो गई है । यह भी मनुष्य कोई समझते नही कि अभी रावण राज्य है, रावण का अर्थ ही नही समझते । बस एक रस्म हो गई है दशहरा मनाने की । तुमको अभी समझ मिली है औरों को समझ देने के लिए ।**

A. True
B. False

Q.10) **आज की मुरली अनुसार सभी सही वाक्यों का चयन करें -----**

A. ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को पतित-पावन नहीं कहा जाता है ।
B. कोई से भी पैसा नही लेना चाहिए, जब तक वह पक्का न हो जाए ।
C. लक्ष्मी-नारायण परिस्तानी से फिर कितना पतित बन जाते, इसलिए ब्रह्मा का दिन, ब्रह्मा की रात गाई हुई है ।
D. बोलो प्रतिज्ञा करो कि हम पवित्र रहेंगे, तब हम तुम्हारे हाथ का खा सकते है, कुछ भी ले सकते है ।
E. आत्म- अभिमान है अविनाशी अभिमान, देह तो विनाशी है ।